केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०११ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - १

जनवरी, २०११ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रद्धन के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : सहजानन्द चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''हमारे स्वरूप की ऐसी सुन्दर छाप-आकृति बनाओ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''अच्छा ! अंधे का जीवन बहुत कष्टदायक होता है ।''

३. ''कल सुबह ग्यारह बजे महाराज आपसे मिलने के लिए नड़ियाद पधारेंगे ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. श्रीजीमहाराज ने बच्चे को गोद में बिठाकर दो पक्के आम दिए ।

.....

.....

.....

.....

२. बाबा वैरागियों के मठ बन्द होने लगे ।

३. पातलभाई की पत्नी ने रोते-रोते महाराज के पास क्षमा माँगी ।

प्र. ३ 'माणकी का सवार' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. सारे साधु समुदाय का किस में बटवारा हो गया था ?

.....

.....

२. महाराज सुन्दरजी बढ़ई के यहाँ ठहरे तब महाराज के चरण में क्या हुआ था ?

३. सहजानंद स्वामी को सब लोग कौन-से दुलारभरे नाम से सम्बोधित करने लगे ?

४. महाराजने क्या कहकर गुणातीतानंद स्वामी को कम्बल ओढ़ा दिया ?

५. गंगाबाई ने सोनबाई से क्या कहा ?

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(४)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. श्रीजीमहाराज अपने जीवनकाल दौरान किस किस से मिले थे ?

(१) ☐ दलाई लामा । (२) ☐ गवर्नर माल्कम ।

(३) ☐ जूनागढ़ के नवाब । (४) ☐ माणावदर के मुज्जाफरखान ।

२. श्रीजीमहाराज ने कौन कौन से गाँवों में बीमारी ग्रहण की थी ?

(१) ☐ जालिया (२) ☐ पंचाला

(३) ☐ धोलेरा (४) ☐ गढ़डा

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४)**

१. ..... के पैरों में छाले उभर आने पर महाराज के पैरों में भी छाले पड़ गये ।

२. महाराज ने हरिभक्तों को ..... स्वच्छ रखने को कहा ।

३. ..... ने मगनीराम के अन्त:चक्षु खोल दिये ।

४. संवत् ..... में शिक्षापत्री के लेखनकार्य की पूर्णाहुति हुई ।

विभाग – २ : सत्संग वाचनमाला भाग – २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''किसी बात की चिन्ता न करें ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''मुझे अपने चरणों से कभी पृथक् मत करना ।''

३. ''आपने हमारे पिता को भगवान कृष्ण के रूप में दर्शन दिये थे ।''

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(४)**

१. बालमुकुन्ददास स्वामी कृष्णजी अदा से मिलने गये ।

.....

.....

.....

.....

२. एभल खाचर ने लाखा पटेल से नीम का पौधा माँग लिया ।

प्र. ९ 'मूलजीभाई के अन्तर में एक चिन्तन जागा ।' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(४)**

१. लाड़कीबा के माता-पिता का नाम क्या था ?

.....

.....

२. महाराजने लाडुबा के वहाँ पहले जीमने के लिए किसको भेजा ?

३. गायकवाड़ के राजपंड़ित क्यों अहमदाबाद में होनेवाले शास्त्रार्थ में भाग लेने के लिए तैयार हुए ?

४. आचार्य केशवप्रसादजी महाराज क्यों नित्य सभा में जाने लगे ?

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **(६)**

विषय : भक्तराज दादा खाचर

१. वि.स. १९०९ में श्रीजीमहाराज का अखंड स्मरण करते हुए दादा खाचर ने वडताल में देहत्याग किया । **२.** दादा खाचर के दरबार के प्रांगण में श्रीजीमहाराज ने मन्दिर बनवाने का शुभारम्भ किया । **३.** श्रीजीमहाराज को दुःख हुआ और वे कारियाणी चले गये । **४.** श्रीजीमहाराज पहाड़ी पर स्वयं चढ़े और मन्दिर की जगह पसंद की । **५.** पहाड़ी में मांचा खाचर का भी हिस्सा था । **६.** जीवा खाचरने श्रीजीमहाराज को कहा : 'दादा खाचर की कोई खानेवाली सन्तान नहि है ।' **७.** गढ़डा में यमुना नदी के कांठे में टीले के उपर महाराज ने मन्दिर बनवाने का संकल्प किया । **८.** दादा खाचर और उनकी दोनों बहनों ने श्रीजीमहाराज से गढ़डा में मन्दिर बनवाने का आग्रह किया । **९.** मन्दिर की नींव के लिए श्रीजीमहाराज ने स्वयं अपने सिर पर पत्थर रखा । **१०.** जीवा खाचर के शब्द स्मरण करके दादा खाचर की बहनों ने सोचा की 'दादा खाचर का दूसरा विवाह करवाना है ।' **११.** श्रीजीमहाराज ने यहाँ गोपीनाथजी की मूर्ति जो उनकी सूरत और कद से मेल खाती थी, प्रतिष्ठित की । **१२.** दादा खाचर ने अपने निवास का आधा दरबार मन्दिर के लिए दानपत्र पर लिख दिया ।

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(४)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : विद्यावारिधि सद्‌गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सन् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने अहमदाबाद में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैत्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी के दर्शन करते – करते कारण देह का त्याग किया ।

उत्तर : विद्यावारिधि सद्‌गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सवंत १९०८ मार्गशीर्ष शुक्ला **अष्टमी** के **दिन** नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री **रघुवीरजी महाराज**, **गोपालानन्द स्वामी**, **शुकमुनि**, **शून्यातीतानंदजी** आदि सन्तों के **देखते – देखते** उन्होंने अपनी **नश्वर** देह **वरताल** में छोड़ दी ।

१. **प्रेमसखी प्रेमानन्द स्वामी :** नियम की एकादशी को प्रेमानन्द स्वामी ने श्रीजीमहाराज से चातुर्मास के नियम लेते हुए कहा, 'प्रति सप्ताह आपकी मूर्ति के चार पद रचने का नियम लेता हूँ । जब तक चार पूरे नहि कर लिया करुँगा, भोजन नहीं करूँगा ।'

उ. ....

....

२. **श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** सं १९२३ में आचार्यश्री बीमार पड़े उन्हें पाँच दिन के उपवास हुए । मानसिक अशान्ति बनी रही । अत: उन्होंने विशेष रूप से गोपालानन्द स्वामी को अहमदाबाद बुलवाया ।

३. **भक्तराज दादा खाचर :** दादा खाचर से द्वेषवश एक बार अलैया खाचर ने भावगनर के महाराजा अभयसिंह के कान भरे, दादा खाचर के दरबार में स्वामिनारायण और दादा खाचर की दो बहनें साथ रहते हैं ।

४. **विद्यावारिधि सद्‌गुरु नित्यानन्द स्वामी :** श्रीजीमहाराज ने अंत्यप्रकरण के २१ वें वचनामृत में सद्‌गुरु नित्यानन्द स्वामी की प्रशंसा की है : 'नित्यानन्द स्वामी का शास्त्रार्थ करने का अंग है ।'

विभाग – ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । **(१०)**

१. दिव्य देहाकृति : भगवान स्वामिनारायण । (स्वामिनारायण प्रकाश – अप्रैल – २००८)
२. अपने कर्म : सुख-दु:ख के कारण । (स्वामिनारायण प्रकाश – सितम्बर – २००८)
३. पुनर्जन्म का प्राचीन भारतीय सूरज । (स्वामिनारायण प्रकाश – सितम्बर – २००८)

(   ) ....

पूर्व कसौटी के निबंध के लिए नीचे दी गई लींक का उपयोग करें :

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/essays/

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

✻ ✻ ✻